

कार्यशाला और प्रशिक्षण

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 स्कूली पाठ्यक्रम में साइबर सुरक्षा शिक्षा के एकीकरण पर विशेष जोर देती है, और सुरक्षित एवं जिम्मेदार इंटरनेट उपयोग के लिए आवश्यक डिजिटल साक्षरता कौशल से छात्रों को लैस करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करती है। डिजिटल कनेक्टिविटी के इस युग में, सोशल मीडिया दैनिक जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है, जो संचार, सहयोग और आत्म-अभिव्यक्ति के लिए मंच प्रदान करता है। हालांकि, ऑनलाइन बातचीत की बढ़ती उपस्थिति के साथ, उपयोगकर्ताओं, विशेष रूप से बच्चों और युवाओं की सुरक्षा और कल्याण के लिए खतरा बढ़ रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व्यक्तियों को गोपनीयता के उल्लंघन, साइबरबुलिंग, पहचान की चोरी और हानिकारक सामग्री के संपर्क में ला सकते हैं। जोखिमों से अवगत होना और निवारक उपाय करना महत्वपूर्ण है, जैसे गोपनीयता सेटिंग्स का प्रबंधन करना, व्यक्तिगत जानकारी के आदान-प्रदान को सीमित करना, और यह सुनिश्चित करना कि ऑनलाइन बातचीत सम्मानजनक और सुरक्षित हो। माता-पिता, शिक्षकों और अभिभावकों को बच्चों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रूप से आगे बढ़ने में मार्गदर्शन करने और इन प्लेटफॉर्मों के जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

सुरक्षा के अलावा, सोशल मीडिया का उपयोग करते समय मानसिक और भावनात्मक कल्याण बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। क्यूरेटेड सामग्री के निरंतर संपर्क में रहने से अस्वास्थ्यकर तुलना, सामाजिक चिंता और यहां तक कि डिप्रेशन हो सकता है, विशेष रूप से युवा उपयोगकर्ताओं के बीच। सोशल मीडिया के उपयोग के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण को बढ़ावा देना आवश्यक है, नियमित ब्रेक को प्रोत्साहित करना, सकारात्मक और उत्साहवर्धक सामग्री को बढ़ावा देना, और अपने मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना। उपयोगकर्ताओं को साइबरबुलिंग, गलत सूचना और हानिकारक ऑनलाइन व्यवहार को पहचानने और रिपोर्ट करने के तरीके के बारे में शिक्षित करना सोशल मीडिया की सुरक्षा को और बढ़ा सकता है। एक सहायक डिजिटल वातावरण बनाकर, व्यक्ति अपने मानसिक स्वास्थ्य और गोपनीयता की रक्षा करते हुए सोशल मीडिया के लाभों का अनुभव कर सकते हैं।

CONTINUOUS PROFESSIONAL DEVELOPMENT (CPD) IN KVS



शिक्षकों के लिए एनईपी 2020 के अनुसार निरंतर व्यावसायिक विकास (CPD) के 50 घंटे

एनईपी 2020 शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों और शिक्षक-शिक्षकों के लिए निरंतर व्यावसायिक विकास (CPD) के 50 घंटों की सिफारिश करता है, जिसका उद्देश्य नवीनतम शिक्षण शास्त्र (pedagogy) का इष्टतम उपयोग करना है और 'कैफेटेरिया दृष्टिकोण' पर उनकी आवश्यकताओं के अनुसार ऑफ़लाइन या ऑनलाइन गतिविधियों/प्रशिक्षणों को चुनने की स्वायत्तता प्रदान करना है।

विद्यालय स्तर पर सीपीडी (CPD) गतिविधियों का वार्षिक कैलेंडर

त्रैमास	महीने	त्रैमासिक घंटे	किया जाने वाला कार्य	घंटों की संख्या
1	अप्रैल से जून	18 घंटे	- अभिनव केस स्टडीज - फील्ड विजिट - पेपर सेटिंग - असेसमेंट वर्कशॉप	18 घंटे 06 घंटे 03 घंटे 03 घंटे
2	जुलाई से सितंबर	12 घंटे	- पेपर सेटिंग - असेसमेंट - एक दिवसीय कार्यशाला	06 घंटे (प्रत्येक आधा दिन - 03 घंटे) 3 घंटे
3	अक्टूबर से दिसंबर	6 घंटे	कार्यशाला और चर्चा	5 घंटे
4	जनवरी से मार्च	14 घंटे	मूल्यांकन और समीक्षा सत्र	6 घंटे